

जलाशय स्कीम अप्रैल, 1978 में प्राप्त हुई थी और उनके बारे में राज्य के प्राधिकारियों के साथ पत्राचार और विचार-विमर्श किया जाता रहा है ।

(ख) जहां तक कुंडघाट जलाशय स्कीम का सम्बन्ध है, केन्द्रीय जल आयोग की टिप्पणियां 21-12-1982 को बिहार सरकार को भेज दी गई थीं, जिनके उत्तर अभी तक प्राप्त नहीं हुए हैं ।

जहां तक अपर सकरी जलाशय स्कीम का सम्बन्ध है, टिप्पणियों के अन्तिम बैच के उत्तर अक्तूबर, 1982 में प्राप्त हुए थे, जिन पर जनवरी, 1983 में आगे और स्पष्टीकरण मांगे गए हैं । साथ ही, इस परियोजना के सम्बन्ध में सदस्य (प्रगति एवं आयोजन) द्वारा राज्य के इंजीनियरों के साथ ली गई बैठक में विचार-विमर्श किया गया था । इस बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार राज्य के इंजीनियरों ने दिसम्बर, 1982 और फिर फरवरी, 1983 में केन्द्रीय जल आयोग के विभिन्न सम्बन्धित निदेशालयों के साथ विचार-विमर्श किया था । यह विचार-विमर्श अभी जारी है ।

(ग) राज्य प्राधिकारियों के परामर्श से, परियोजनाओं की तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता संतोषजनक रूप से सिद्ध कर लिए जाने के पश्चात् इन परियोजनाओं को योजना आयोग की सलाहकार समिति के समक्ष उसके विचारार्थ प्रस्तुत कर दिया जाएगा ।

Arrival of Imported Wheat

211. SHRI B. V. DESAI: Will the Minister of FOOD AND CIVIL SUPPLIES be pleased to state:

(a) whether nearly six lakh tonnes of wheat being imported from USA has arrived in India during the month of December, 1982;

(b) if so, whether the Food Corporation of India has earned despatch money worth Rs. 10 lakh in valuable foreign exchange for quick and efficient clearance of wheat arrivals; and

(c) if so, to what extent India had to pay for this amount and by what time the contract wheat USA will arrived in India?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES (SHRI BHAGWAT JHA AZAD):

(a) and (c). A against the total quantity of 39.50 lakh tonnes of wheat contracted for import from USA at FOB cost of US dollars 654.778 million, a quantity of 5.65 lakh tonnes of wheat arrival in India by the end of December, 1982. As per contracts, the entire quantity is to be shipped from USA during September, 1982, to May, 1983.

(b) Yes, Sir. Food Corporation of India is reported to have earned a net despatch money of about Rs. 34.00 lakhs (provisional) by December, 1982 for clearance of this wheat.

Sharing of Ganga and Teesta Waters

212. SHRI B. V. DESAI:

SHRI AMAR ROYPRADHAN:

SHRI CHITTA BASU:

SHRI MADHAVRAO SCINDIA:

SHRI A. NEELALOHITHADASAN NADAR:

SHRI AJIT BAG:

SHRI DAULATSINHJI JAD-EJA:

SHRI BALASAHEB VIKHEPATIL:

Will the Minister of IRRIGATION be pleased to state:

(a) whether India and Bangladesh were confident of resolving the problem of long-term augmentation of the Ganga waters and ad hoc sharing of the Teesta waters and other smaller rivers;

(b) if so, whether during December and January, the experts of both the countries